पश्चिम बंगाल माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (WBBSE)

कक्षा 7 हिंदी

अध्याय 15

वारिस

प्रश्न बैंक

कक्षा 7 की कोई बोर्ड परीक्षा नहीं होती; यह प्रश्न बैंक पाठ्यपुस्तक और अध्याय के विषयों पर आधारित है

birlaeducation.org

बिरला एजुकेशन

अध्याय 15: वारिस

रचयिता: मोहन राकेश (गद्य 7)

अध्याय का सार

मास्टरजी एक भाई-बहन को पढ़ाने आते हैं। भाई को मैट्रिक की अंग्रेजी पढ़ाते हैं और बहन को अक्षर-ज्ञान देते हैं। वे बैठकखाने में पढ़ाते थे। वे ठीक तीन बजे आते थे, पर जाने का समय अनिश्चित रहता था। कभी डेढ़ घंटे पढ़ाते, कभी दो घंटे पढ़ाते।

मास्टरजी अत्यंत गरीब थे। वे बच्चों के घर से थोड़ी दूर एक गंदी सी गली में चार रुपये महीने के किराये पर एक कोठरी में रहते थे। वे बड़े स्वाभिमानी थे। अभाव में भी किसी के सामने हाथ नहीं पसार सकते थे। पास में पैसे न होने पर भी वे दान में किसी से कुछ लेना नहीं चाहते थे। वे परिश्रम करके ही अपना अभाव मिटाते थे। इसलिए और कोई ट्यूशन उन्होंने स्वीकार नहीं किया। उनका खान-पान और रहन-सहन अत्यंत साधारण था।

मास्टरजी उत्साह के साथ कविता पढ़ाते थे। उन्होंने बच्चों को अंग्रेजी के अलावा बंगला भाषा पढ़ाने का निश्चय किया था, पर बच्चों की प्रगति से वे बहुत निराश हुए, इसलिए उन्होंने बंगला पढ़ाना छोड़ दिया।

मास्टरजी टायफाइड में चार सप्ताह पड़े रहे। इस दौरान लड़का (लेखक) उनकी सेवा में लगा रहा। परीक्षा के बाद जब मास्टरजी विदा होने लगे तो उन्होंने अपना भूरा पेन बच्चे को दे दिया। उन्होंने कहा कि मुझे तो अब इसकी जरूरत नहीं है, तुम इसे अपने पास रखना या फेंक देना। विदा होते समय मास्टरजी की आँखें भर आईं। बच्चे उनके साथ साथ ड्योढ़ी तक आए।

hindieducation.org

कुछ दिन बाद लेखक से पेन की निब टूट गई और फिर वह पेन जाने कहाँ खो गई। मास्टरजी की दी हुई कलम ही उनकी विरासत थी, इसलिए कहानी का नाम 'वारिस' है।

पात्र-परिचय

मास्टरजी: भाई-बहन के शिक्षक। स्नेह और त्याग की भावना से भरे हुए, स्वाभिमानी और परिश्रमी। अत्यंत गरीब, पर किसी से दान नहीं लेते। उत्साह के साथ कविता पढ़ाते हैं। बच्चों से अत्यधिक स्नेह करते हैं।

लड़का (लेखक): मैट्रिक की परीक्षा देने वाला छात्र। मास्टरजी से अंग्रेजी पढ़ता है। मास्टरजी के बीमार पड़ने पर उनकी सेवा करता है। विदा के समय मास्टरजी उसे अपना भूरा पेन देते हैं।

बहन: लड़के की छोटी बहन। मास्टरजी से अक्षर-ज्ञान सीखती है। भाई को आँखों के इशारे से समझाती है कि मास्टरजी के सामने जम्हाई न ले और घड़ी की ओर न देखे।

पिता: बच्चों के पिता। उन्होंने बच्चों से कहा था कि जिस दिन अंग्रेजी 'बी' की परीक्षा हो जाएगी, उसके बाद मास्टरजी पढ़ाने नहीं आएँगे।

लेखक परिचय

मोहन राकेश का वास्तविक नाम मदन मोहन गुगलानी था। उनका जन्म 1925 में हुआ था। 'लहरों के राजहंस' के रचनाकार मोहन राकेश हैं। 'वारिस' कहानी-संग्रह भी उन्हीं का है। 'वारिस' कहानी विधा की रचना है।

टिप्पणी: लेखक के बारे में यह जानकारी समाधान साइट से ली गई है, छपी हुई पुस्तक से इसकी जाँच अभी बाकी है।

कठिन शब्द

शब्द	अर्थ
हिज्जे	उच्चारण
खुशामद	चापलूसी
सबक	शिक्षा
खैरात	दान
दुर्गन्ध	खराब गंध
फर्क	अन्तर, भेद
टायफाइड	मियादी बुखार
स्पर्धा	आगे बढ़ने की इच्छा
हैरानी	परेशानी
निराश	हतोत्साह
अनिश्चित	जो निश्चित न हो
ड्योढ़ी	द्वार, देहली

birlaeducation.org

समूह A: बहुविकल्पीय प्रश्न (MCQ), 12 प्रश्न

सही विकल्प को गहरे (बोल्ड) अक्षरों में दिखाया गया है।

1. मास्टरजी बच्चों को कितने बजे पढ़ाने पहुँचते थे? पाठ्यपुस्तक

(क) चार बजे

(ख) पाँच बजे

(ग) तीन बजे

(घ) एक बजे

उत्तर: (ग) तीन बजे।

---

2. मैं (लेखक) घड़ी की ओर किस प्रकार देखता? पाठ्यपुस्तक

(क) ऊबकर

(ख) खीझकर

(ग) चौंककर

(घ) उदास होकर

उत्तर: (क) ऊबकर।

---

3. मास्टरजी चार सप्ताह किस बीमारी में पड़े रहे? पाठ्यपुस्तक

(क) टायफाइड

(ख) मलेरिया

(ग) पीलिया

(घ) इनमें से कोई नहीं

उत्तर: (क) टायफाइड।

birlaeducation.org

---

4. मोहन राकेश का वास्तविक नाम क्या है? पाठ्यपुस्तक

(क) मोहन राकेश

(ख) मदन मोहन

(ग) मदन मोहन गुगलानी

(घ) मदनमोहन मीरचंदानी

उत्तर: (ग) मदन मोहन गुगलानी।

---

5. मोहन राकेश का जन्म कब हुआ था? पाठ्यपुस्तक

(क) सन् 1920 में

(ख) सन् 1925 में

(ग) सन् 1927 में

(घ) सन् 1926 में

उत्तर: (ख) सन् 1925 में।

---

6. 'लहरों के राजहंस' के रचनाकार कौन हैं? पाठ्यपुस्तक

(क) जैनेन्द्र

(ख) मोहन राकेश

(ग) निराला

(घ) अज्ञेय

उत्तर: (ख) मोहन राकेश।

---

7. 'वारिस' कहानी-संग्रह किसका है? पाठ्यपुस्तक

(क) दुष्यंत कुमार

(ख) निराला

(ग) मोहन राकेश

(घ) भगवती चरण वर्मा

उत्तर: (ग) मोहन राकेश।

---

8. 'वारिस' किस विधा की रचना है? पाठ्यपुस्तक

(क) कहानी

(ख) नाटक

(ग) उपन्यास

(घ) निबंध

उत्तर: (क) कहानी।

birlaeducation.org

---

9. मास्टरजी बच्चों को कहाँ पढ़ाते थे? पाठ्यपुस्तक

(क) शयन कक्ष में

(ख) विद्यालय में

(ग) बरामदे में

(घ) बैठकखाने में

उत्तर: (घ) बैठकखाने में।

---

10. मास्टरजी ने लेखक (लड़के) को अंत में क्या दिया? पाठ्यपुस्तक

(क) कलम

(ख) कॉपी

(ग) किताब

(घ) घड़ी

उत्तर: (क) कलम।

---

11. मास्टरजी ने काँपते हाथों में क्या देखा? पाठ्यपुस्तक

(क) परचा

(ख) अखबार

(ग) किताब

(घ) पेन्सिल

उत्तर: (क) परचा।

---

12. मास्टरजी ने कौन-से रंग का पेन बच्चे को दी? पाठ्यपुस्तक

(क) लाल

(ख) भूरा

(ग) काला

(घ) नीला

उत्तर: (ख) भूरा।

समूह B: रिक्त स्थान भरिए, 10 प्रश्न

1. अनिश्चित शब्द में उपसर्ग _____ है। पाठ्यपुस्तक

उत्तर: अ।

---

2. खुशी शब्द में प्रत्यय _____ है। पाठ्यपुस्तक

उत्तर: ई।

birlaeducation.org

---

3. निश्चित का विलोम _____ है। पाठ्यपुस्तक

उत्तर: अनिश्चित।

---

4. भाई _____ से खुशामद करने लगा। पाठ्यपुस्तक

उत्तर: आँखों ही आँखों।

---

5. वण्डरफुल का अर्थ _____ है। पाठ्यपुस्तक

उत्तर: अद्भुत।

---

6. मास्टरजी _____ बजे पढ़ाने पहुँचते थे। अतिरिक्त

उत्तर: तीन।

---

7. मास्टरजी _____ सप्ताह टायफाइड में पड़े रहे। अतिरिक्त

उत्तर: चार।

---

8. मास्टरजी बच्चों को _____ में पढ़ाते थे। अतिरिक्त

उत्तर: बैठकखाने।

9. मास्टरजी _____ रुपये महीने के किराये की कोठरी में रहते थे। अतिरिक्त

उत्तर: चार।

10. मास्टरजी ने बच्चे को अपना _____ पेन दिया। अतिरिक्त

उत्तर: भूरा।

समूह C: सत्य / असत्य, 10 प्रश्न

1. मास्टरजी तीन बजे पढ़ाने आते थे। अतिरिक्त

उत्तर: सत्य।

2. मास्टरजी बच्चों को विद्यालय में पढ़ाते थे। अतिरिक्त

उत्तर: असत्य। मास्टरजी बच्चों को बैठकखाने में पढ़ाते थे।

3. मास्टरजी को मलेरिया हुआ था। अतिरिक्त

उत्तर: असत्य। मास्टरजी को टायफाइड हुआ था।

bihareducation.org

4. मोहन राकेश का वास्तविक नाम मदन मोहन गुगलानी था। अतिरिक्त

उत्तर: सत्य।

5. 'वारिस' एक नाटक है। अतिरिक्त

उत्तर: असत्य। 'वारिस' एक कहानी है।

6. मास्टरजी उत्साह के साथ कविता पढ़ाते थे। अतिरिक्त

उत्तर: सत्य।

7. मास्टरजी ने अंग्रेजी के अलावा बंगला पढ़ाना शुरू किया था। अतिरिक्त

उत्तर: सत्य।

8. मास्टरजी के जाने पर बच्चे ड्योढ़ी तक आए। अतिरिक्त

उत्तर: सत्य।

9. मास्टरजी ने बच्चे को अपनी घड़ी दी थी। अतिरिक्त

उत्तर: असत्य। मास्टरजी ने बच्चे को अपनी कलम दी थी।

---

10. कुछ दिन बाद पेन की निब टूट गई। अतिरिक्त

उत्तर: सत्य।

समूह D: लघु उत्तरीय प्रश्न (SAQ), 20 प्रश्न

उत्तर 3 से 5 पंक्तियों में लिखिए।

1. मास्टरजी के आने पर सीढ़ियों पर क्या होती थी? पाठ्यपुस्तक

उत्तर: मास्टरजी के आने पर सीढ़ियों पर खट-खट की आवाज होती थी।

---

2. मास्टरजी बच्चों को कहाँ पढ़ाते थे? पाठ्यपुस्तक

उत्तर: मास्टरजी बच्चों को बैठकखाने में पढ़ाते थे।

---

3. बच्चों को किस कक्षा की परीक्षा देनी थी? पाठ्यपुस्तक

उत्तर: बच्चों को मैट्रिक की परीक्षा देनी थी।

birlaeducation.org

---

4. मास्टरजी कहाँ रहते थे? पाठ्यपुस्तक

उत्तर: मास्टरजी बच्चों के घर से थोड़ी दूर एक गंदी सी गली में चार रुपये महीने के किराये पर एक कोठरी में रहते थे।

---

5. मास्टरजी की देखभाल के लिए किसकी ड्यूटी लगाई गई थी? पाठ्यपुस्तक

उत्तर: मास्टरजी की देखभाल के लिए लड़के के भाई की ड्यूटी लगाई गई थी।

नोट: यह उत्तर जैसा छपा है वैसा ही रखा गया है। सारांश के अनुसार मास्टरजी की सेवा लड़का (लेखक) करता था। इस विरोध की छपी हुई पुस्तक से जाँच बाकी है। इस पुस्तक के सार में सारांश वाला रूप लिखा गया है।

---

6. लेखक पतंग उड़ाते समय कौन-सा नारा लगाता था? पाठ्यपुस्तक

उत्तर: लेखक पतंग उड़ाते समय 'आबो काटा काटा ई बो' का नारा लगाता था।

---

7. मास्टरजी उत्साह के साथ क्या पढ़ाते थे? पाठ्यपुस्तक

उत्तर: मास्टरजी उत्साह के साथ कविता पढ़ाते थे।

---

8. मास्टरजी ने बच्चों को अंग्रेजी के अलावा क्या पढ़ाने का निश्चय किया था? पाठ्यपुस्तक

उत्तर: मास्टरजी ने बच्चों को अंग्रेजी के अलावा बंगला भाषा पढ़ाने का निश्चय किया था।

---

9. कुछ दिन बाद लड़के (लेखक) से पेन का क्या हुआ? पाठ्यपुस्तक

उत्तर: कुछ दिन बाद लेखक से निब टूट गई और फिर वह पेन जाने कहाँ खो गई।

---

10. बच्चे मास्टरजी के साथ कहाँ तक आये? पाठ्यपुस्तक

उत्तर: बच्चे उनके साथ साथ ड्योढ़ी तक आये।

---

11. 'मैं आँखों ही आँखों से उसकी खुशामद कर लेता' प्रस्तुत पंक्ति के लेखक कौन हैं? यह पंक्ति किस पाठ से उद्धृत है? पाठ्यपुस्तक

उत्तर: प्रस्तुत पंक्ति के लेखक श्री मोहन राकेश हैं। यह पंक्ति 'वारिस' पाठ से उद्धृत है।

---

12. खुशामद का क्या अर्थ है? पाठ्यपुस्तक

उत्तर: खुशामद का अर्थ किसी की चापलूसी करना या चाटुकारिता है।

---

13. 'उनकी आँखें भर आई थीं।' 'उनकी' शब्द का प्रयोग किसके लिए किया गया है? पाठ्यपुस्तक

उत्तर: 'उनकी' शब्द का प्रयोग मास्टरजी के लिए किया गया है।

---

14. कुछ दिन बाद लड़के से क्या टूट गया? पाठ्यपुस्तक

उत्तर: कुछ दिन बाद लड़के से पेन की निब टूट गई।

birlaeducation.org

---

15. बहन भाई को आँखों के इशारे से क्या समझाती थी? अतिरिक्त

उत्तर: बहन आँख के इशारों से भाई को समझाती थी कि मास्टरजी के सामने जम्हाई न ले और घड़ी की ओर न देखे। वह इशारे से धमकी भी देती कि मास्टरजी से उसकी शिकायत कर देगी।

---

16. मास्टरजी की कोठरी कैसी थी? अतिरिक्त

उत्तर: मास्टरजी की कोठरी बच्चों के घर से थोड़ी दूर एक गंदी सी गली में थी। वह चार रुपये महीने के किराये की छोटी सी कोठरी थी।

---

17. मास्टरजी दान में कुछ क्यों नहीं लेना चाहते थे? अतिरिक्त

उत्तर: मास्टरजी बड़े स्वाभिमानी थे। वे परिश्रम करके ही अपना अभाव मिटाना चाहते थे, इसलिए दान में किसी से कुछ लेना नहीं चाहते थे।

---

18. मास्टरजी ने और कोई ट्यूशन क्यों नहीं लिया? अतिरिक्त

उत्तर: मास्टरजी धन संग्रह करना नहीं चाहते थे, इसलिए उन्होंने और कोई ट्यूशन स्वीकार नहीं किया।

---

19. मास्टरजी का खान-पान कैसा था? अतिरिक्त

उत्तर: मास्टरजी का खान-पान और रहन-सहन अत्यंत साधारण था।

---

20. मास्टरजी के बीमार पड़ने पर लड़का उनकी सेवा कैसे करता था? अतिरिक्त

उत्तर: मास्टरजी टायफाइड में चार सप्ताह पड़े रहे। इस दौरान लड़का (लेखक) उनकी सेवा में लगा रहा और उनकी देखभाल करता था।

समूह E: दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (LAQ), 20 प्रश्न

उत्तर विस्तार से लिखिए।

1. मास्टरजी ने बच्चों को बंगला पढ़ाना क्यों छोड़ दिया? पाठ्यपुस्तक

उत्तर: बच्चों की प्रगति से मास्टरजी बहुत निराश हुए। इसलिए उन्होंने बंगला पढ़ाना छोड़ दिया।

---

2. मास्टरजी का गला क्यों भर्रा गया? पाठ्यपुस्तक

उत्तर: बच्चों के पिता ने उन्हें यह सूचित कर देने के लिए कहा कि जिस दिन अंग्रेजी 'बी' की परीक्षा हो जाएगी, उसके बाद मास्टरजी पढ़ाने नहीं आएँगे। बच्चों द्वारा यह खबर सुनकर मास्टरजी का गला भर्रा गया।

---

3. मास्टरजी ने कलम देते हुए क्या कहा? पाठ्यपुस्तक

bihareducation.org

उत्तर: मास्टरजी ने कलम देते हुए बच्चे से कहा कि मुझे तो अब इसकी जरूरत नहीं है। तुम इसे अपने पास रखना या फेंक देना।

---

4. मास्टरजी की आँखें क्यों भर आईं? पाठ्यपुस्तक

उत्तर: मास्टरजी बच्चों से अत्यधिक स्नेह करते थे। इसलिए जब वे बच्चे को अपनी पुरानी सी कलम देकर वहाँ से विदा होने लगे तो स्नेह के कारण उनका हृदय करुणा से भर उठा। फलस्वरूप दिल की पीड़ा आँसुओं के रूप में उमड़ पड़ी।

---

5. मास्टरजी की चारित्रिक विशेषताओं का उल्लेख कीजिए। पाठ्यपुस्तक

उत्तर: मास्टरजी में स्नेह और त्याग की भावना भरी हुई थी। वे बड़े ही स्वाभिमानी व्यक्ति थे। अभाव में भी किसी के सामने हाथ नहीं पसार सकते थे। पास में पैसे न होने पर भी दान में किसी से कुछ लेना नहीं चाहते, परिश्रम करके ही अपना अभाव मिटाते थे। अपनी तंगी के कारण ही वे दोनों बच्चों को पढ़ाने लगे। वे बड़ी मेहनत से पढ़ाते थे। विषय का भी उन्हें बोध था। वे धन-संग्रह करना नहीं चाहते थे। इसलिए और कोई ट्यूशन उन्होंने स्वीकार नहीं किया। उनका खान-पान, रहन-सहन अत्यंत साधारण था। उनमें संग्रह तथा प्रदर्शन की भावना नहीं थी। संसार से निस्पृह थे, पर बच्चों के प्रति उनमें स्नेह और ममत्व का भाव था।

---

6. कौन किसकी खुशामद करता है और क्यों? पाठ्यपुस्तक

उत्तर: भाई बहन की खुशामद करता था। मास्टरजी पाँच बजे तक पढ़ाते रहते तो भाई ऊबकर जम्हाइयाँ लेता और घड़ी की तरफ देखता, पर बहन आँख के इशारों से उसे यह सब करने से मना करती। वह इशारे से धमकी भी देती कि मास्टरजी से उसकी शिकायत कर देगी। इसी कारण भाई आँखों ही आँखों से उसकी खुशामद करता है।

---

7. संकेतित व्यक्ति की आँखें क्यों भर आई थीं? पाठ्यपुस्तक

उत्तर: मास्टरजी के मन में बच्चों के प्रति स्नेह तथा ममत्व की भावना थी। इसलिए जब वे उनसे विदा होने लगे तो उनका दिल दर्द से भर उठा, इसलिए उनकी आँखें भर आई थीं।

---

8. मास्टरजी का परिचय दीजिए। अतिरिक्त

उत्तर: मास्टरजी भाई-बहन के शिक्षक थे। वे बच्चों के घर से थोड़ी दूर एक गंदी सी गली में चार रुपये महीने के किराये पर एक कोठरी में रहते थे। वे अत्यंत गरीब थे, पर बड़े स्वाभिमानी थे। वे परिश्रम करके ही अपना अभाव मिटाते थे। उनका खान-पान और रहन-सहन अत्यंत साधारण था। वे बड़ी मेहनत से पढ़ाते थे और बच्चों से अत्यधिक स्नेह करते थे।

---

9. मास्टरजी बच्चों को कैसे पढ़ाते थे? अतिरिक्त

उत्तर: मास्टरजी बैठकखाने में बच्चों को पढ़ाते थे। वे ठीक तीन बजे आते थे, पर जाने का समय अनिश्चित रहता था। कभी डेढ़ घंटे पढ़ाते, कभी दो घंटे पढ़ाते। वे उत्साह के साथ कविता पढ़ाते थे। भाई को मैट्रिक की अंग्रेजी पढ़ाते थे और बहन को अक्षर-ज्ञान देते थे। उन्होंने बच्चों को बंगला भाषा पढ़ाने का निश्चय भी किया था।

---

10. मास्टरजी के आने-जाने का समय कैसा था? बच्चे इससे कैसे परेशान होते थे? अतिरिक्त

उत्तर: मास्टरजी ठीक तीन बजे पढ़ाने आते थे, पर उनके जाने का समय अनिश्चित रहता था। वे कभी डेढ़ घंटे और कभी दो घंटे पढ़ाते थे। भाई ऊबकर घड़ी की ओर देखता था और जम्हाइयाँ लेता था। बहन आँख के इशारों से उसे यह सब करने से मना करती थी। भाई बहन की खुशामद करता था ताकि वह मास्टरजी से उसकी शिकायत न कर दे।

birlaeducation.org

---

11. भाई-बहन के स्वभाव में क्या अंतर दिखता है? अतिरिक्त

उत्तर: भाई मास्टरजी के लंबे समय तक पढ़ाने से ऊब जाता था। वह घड़ी की ओर देखता था और जम्हाइयाँ लेता था। बहन अधिक समझदार थी। वह आँख के इशारों से भाई को समझाती थी कि मास्टरजी के सामने ऐसा न करे। वह भाई को धमकी भी देती थी कि मास्टरजी से उसकी शिकायत कर देगी। इस प्रकार बहन गंभीर और समझदार थी, जबकि भाई चंचल और ऊबने वाला था।

---

12. मास्टरजी की गरीबी का वर्णन कीजिए। अतिरिक्त

उत्तर: मास्टरजी अत्यंत गरीब थे। वे बच्चों के घर से थोड़ी दूर एक गंदी सी गली में चार रुपये महीने के किराये पर एक कोठरी में रहते थे। उनका खान-पान और रहन-सहन अत्यंत साधारण था। पास में पैसे न होने पर भी वे दान में किसी से कुछ लेना नहीं चाहते थे। अपनी तंगी के कारण ही वे दोनों बच्चों को पढ़ाने लगे थे।

---

13. 'वारिस' शीर्षक का क्या अर्थ है? कलम किसकी वारिस बनी? अतिरिक्त

उत्तर: 'वारिस' का अर्थ है उत्तराधिकारी, जिसे किसी की संपत्ति या विरासत मिलती है। मास्टरजी के पास धन नहीं था, पर उनके पास उनका स्नेह और ज्ञान था। विदा होते समय उन्होंने अपना भूरा पेन बच्चे को दे दिया। वह कलम मास्टरजी के स्नेह और ज्ञान की विरासत थी। इसलिए लड़का उस कलम का वारिस बना और कहानी का नाम 'वारिस' रखा गया।

---

14. पेन खो जाने पर लड़के को कैसा लगा होगा? अपने शब्दों में लिखिए। अतिरिक्त

उत्तर: पेन खो जाने पर लड़के को बहुत दुख हुआ होगा। वह पेन कोई साधारण पेन नहीं था, वह मास्टरजी के स्नेह की निशानी था। कुछ दिन बाद ही उसकी निब टूट गई और फिर वह पेन जाने कहाँ खो गई। लड़के को लगा होगा कि मास्टरजी की आखिरी निशानी उसके हाथ से चली गई।

---

15. इस कहानी से हमें क्या शिक्षा मिलती है? अतिरिक्त

उत्तर: इस कहानी से हमें यह शिक्षा मिलती है कि सच्चा शिक्षक धन से नहीं, स्नेह और त्याग से महान होता है। मास्टरजी गरीब थे, पर उन्होंने परिश्रम और स्वाभिमान से जीवन जिया। उन्होंने बच्चों से निस्वार्थ स्नेह किया। हमें अपने शिक्षकों का सम्मान करना चाहिए और उनकी दी हुई सीख को सँभालकर रखना चाहिए।

---

16. मास्टरजी के स्वाभिमान के दो उदाहरण दीजिए। अतिरिक्त

उत्तर: मास्टरजी के स्वाभिमान के दो उदाहरण इस प्रकार हैं। पहला, अभाव में भी वे किसी के सामने हाथ नहीं पसार सकते थे। पास में पैसे न होने पर भी वे दान में किसी से कुछ लेना नहीं चाहते थे। दूसरा, वे धन संग्रह करना नहीं चाहते थे, इसलिए उन्होंने और कोई ट्यूशन स्वीकार नहीं किया। वे परिश्रम करके ही अपना अभाव मिटाते थे।

---

17. मास्टरजी बच्चों से स्नेह क्यों करते थे? उदाहरण सहित लिखिए। अतिरिक्त

उत्तर: मास्टरजी बच्चों से अत्यधिक स्नेह करते थे। वे बड़ी मेहनत से पढ़ाते थे और उत्साह के साथ कविता पढ़ाते थे। उन्होंने बच्चों को बंगला भाषा पढ़ाने का निश्चय भी किया था। विदा होते समय उन्होंने अपना भूरा पेन बच्चे को दे दिया और उनकी आँखें भर आईं। इससे पता चलता है कि उनके मन में बच्चों के प्रति स्नेह और ममत्व की भावना थी।

birlaeducation.org

---

18. कहानी में पतंग उड़ाने का प्रसंग क्या दिखाता है? अतिरिक्त

उत्तर: कहानी में पतंग उड़ाने का प्रसंग लेखक के बचपन को दिखाता है। लेखक पतंग उड़ाते समय 'आबो काटा काटा ई बो' का नारा लगाता था। इससे पता चलता है कि लेखक एक साधारण बच्चा था, जिसे खेलने में आनंद आता था। यह प्रसंग कहानी में बचपन की मासूमियत और खुशी को जोड़ता है।

---

19. मास्टरजी की विदाई का वर्णन कीजिए। अतिरिक्त

उत्तर: परीक्षा के बाद मास्टरजी विदा होने लगे। उन्होंने अपना भूरा पेन बच्चे को दे दिया और कहा कि मुझे तो अब इसकी जरूरत नहीं है, तुम इसे अपने पास रखना या फेंक देना। विदा होते समय मास्टरजी की आँखें भर आईं। बच्चे उनके साथ साथ ड्योढ़ी तक आए। यह विदाई स्नेह और करुणा से भरी हुई थी।

---

20. मास्टरजी और बच्चों के बीच का संबंध कैसा था? अतिरिक्त

उत्तर: मास्टरजी और बच्चों के बीच का संबंध स्नेह और ममत्व का था। मास्टरजी बच्चों को बड़ी मेहनत से पढ़ाते थे और उनसे अत्यधिक स्नेह करते थे। बच्चे भी मास्टरजी का सम्मान करते थे। मास्टरजी के बीमार पड़ने पर लड़का उनकी सेवा में लगा रहा। विदा के समय मास्टरजी की आँखें भर आईं और बच्चे ड्योढ़ी तक उन्हें छोड़ने आए। यह संबंध एक सच्चे गुरु और शिष्य का संबंध था।
